श्री संजय आनंद लाठकर, पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड सेक्टर का करमडीह कैम्प दौरा :–

झारखण्ड और छत्तीसगढ़ सीमा पर मौजूद माओवादियों के गढ़ बूढ़ापहाड़ इलाके में स्थित करमडीह और खमीखास में 53 घरों के 287 ग्रामीणों को 112 वीं वाहिनी के करमडीह स्थित कैम्प में मौजूद जनरेटर से बिजली प्रदान किया गया।

दिनांक 03.09.2018 को श्री संजय आ0 लाठकर, पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड सेक्टर, के0रि0पु0बल के द्वारा करमडीह कैम्प के दौरे के दौरान ग्रामीणों से मुलाकात किया तथा उनलोंगों से हालचाल के बारे जानकारी ली गई एवं बच्चों को प्रोत्साहन हेतु पेन, नोट बुक तथा अन्य स्कूली सामग्रीयॉ बांटी गई और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

सराहनीय नक्सल प्रभावित क्षेत्र में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर आरंभ, सीआरपीएफ के आइजी पहुंचे शिविर में

सीआरपीएफ आइजी के प्रयास से रोशन हुए गांव

दैनिक जागरण - 04/09/18

संवाद सहयोगी, मेदिनीनगर : केंद्रीय रिजर्व सुरक्षा बल के महानिरीक्षक संजय आनंद लाठकर के प्रयास से वर्षों से अंधेरे में रह रहे बरवाडीह के नक्सल प्रभावित करमडीह व खमी खास गांव को रौशन कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार अपने औचक निरीक्षण के क्रम में सीआरपीएफ आइजी रविवार को करमडीह पहुंचे थे। इस क्रम शाम में उन्होंने देखा कि शिविर में तो पर्याप्त रौशनी है, लेकिन गांव अंधेरे में डूबा हुआ है। आइजी ने स्वयं पहल करते हुए अपने अधीनस्थ अधिकारियों को गांव में बिजली बहाल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सिर्फ 48 घंटों के अंदर आवश्यक कार्रवाई करते हुए गांव के 53 घरों के 286 ग्रामीणों अंधेरे से निजात दिलाया गया। मालूम हो कि सदर थाना क्षेत्र के चियांकी स्थित 112 सीआरपीएफ की दो कंपनी नक्सल उन्मूलन अभियान में लगाई गई है। अधिकारी बताते है शिविर स्थापित होने के पहले इस क्षेत्र के लोगों तक बुनियादी सुविधाएं नहीं पहुंच सकी थी। आजादी के 72 साल बाद रौशनी पहुंचने से स्थानीय ग्रामीणों में काफी हर्ष का माहौल देखा गया। सीआरपीएफ आईजी ने सोमवार को करमडीह में एक दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का उदघाटन किया। शिविर में आस मौके पर उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ सुदूरवर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा के साथ विकास में सहयोग कर रही है। मौके पर सीआरपीएफ के डीआईजी जयंत पाल, द्वितीय कमान अधिकारी संजय गौतम, रवि रंजन सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि व ग्रामीण उपस्थित थे।

शिविर में उपस्थित सीआरपीएफ के आइजी संजय लाटकर ● जागरण

आजादी के 72 साल बाद रौशनी पहुंचने से ग्रामीणों में हर्ष सीआरपीएफ ने करमडीह में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया

आजादी के बाद से आज तक गांव में नहीं पहुंची थी बिजली

सीआरपीएफ के प्रयास से 53 घरों में पहुंची बिजली

प्रभात खबर

प्रतिनिधि ▷ मेदिनीनगर 04/09/18

लातेहार के करमडीह व खामही खास गांव में उत्साह का माहौल है. उत्साह की वजह भी खास है. जलते बिजली के बल्ब ने मानो जिंदगी में नयी रंग भर दी है. रोशनी से गांव के घरों में उजाला है. तेज रफ्तार जिंदगी फोर जी तक पहुंच चुकी है.लेकिन इस गांव के लोगों के लिए बिजली बल्ब जलना ही किसी आश्चर्य से कम नहीं. गांव में बिजली आयेगी. घरों में बल्ब जलेंगे. यह सपना काफी दिनों से था और वही सपना अब अपना हो गया है. जी हां यह सिर्फ शब्द नहीं बल्कि गांव के लोगों की भावना है, जो आजादी के बाद से बिजली के रोशनी से वंचित थे. बिजली गांव में आ जायेगी, तो उत्सव का माहौल तो बनता ही है. अब इन दोनों गांवों में बिजली पहुंचने की भी कहानी है. आमतौर पर जब कोई खाकी वरदी को देखता है, तो यही समझता है कि पुलिस वाले है. अपराधी और उग्रवादियों को पकड़ने वाले है. पर सीआरपीएफ उग्रवाद प्रभावित इलाकों में जहा सुरक्षा के प्रति मुस्तैद है, वहीं अपने सामाजिक दायित्व का ईमानदारी के साथ निर्वहन कर पुलिस के प्रति बने नकारात्मक छवि को भी बदल रहे हैं. जैसा की सीआरपीएफ के अधिकारियों ने बताया कि खामडीह खास और करमडीह दोनों गांवों को मिलाकर लगभग 85 घर है. इन 85 घरों में से 53 के घर में सीआरपीएफ के प्रयास से बिजली पहुंच गयी है. यदपि गांव में अभी विभाग ने तार नहीं बिछाया है. लेकिन सीआरपीएफ ने खुद से गांव मे पोल लगाये, तार बिछाया और घरों में जाकर वायरिंग की. चूंकि गांव में बिजली तार ही नहीं पहुंचे, तो ट्रांसफार्मर लगेगा कहां से. सीआरपीएफ ने जेनरेटर से बिजली कनेक्शन चालू कर दिया और फिर गांवों में नियमित बिजली मिलने लगी. बताया गया कि सोमवार को इसे लेकर गांव में विशेष आयोजन किया गया था. इसमें भाग लेने सीआरपीएफ के आइजी संजय आनंद लाटेकर गांव पहुंचे. डीआइजी जयंत पॉल पहुंचे. इस मौके पर गांव में सीआरपीएफ के 134 बटालियन द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. बच्चों के बीच पठन पाठन की सामग्री भी वितरण की गयी. इस मौके पर सीआरपीएफ के 112 वीं बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी संजय गौतम, रवि रंजन आदि मौजूद थे.

गांव को सीआरपीएफ जवानों ने अपनी मेहनत से रौशन कर दिया

लातेहार के करमडीह गांव में आयी बिजली

हिन्दुस्तान- 04/09/18

अच्छी खबर

लातेहार | मनीष उपाध्याय

झारखंड और छत्तीसगढ़ सीमा पर मौजूद माओवादियों के गढ़ बूढापहाड़ के करमडीह और खमीखास गांव को सीआरपीएफ जवानों ने अपनी मेहनत से रौशन कर दिया है। छिपादोहर पंचायत के अंतर्गत आने वाले इन दोनों गांव में आज तक बिजली नही पहुंची थी।

जिस गांव में लोग रौशनी के लिए ढिबरी और लकड़ी का सहारा लेते थे, वह गांव अब एलईडी बल्ब से रौशन हो रहा है। ढिबरी युग में जी रहे लोग एलईडी बल्ब देख रहे हैं। करमडीह में तैनात सीआरपीएफ 112 बटालियन ने पहल करते हुए एक महीने के अंदर गांव को रौशन किया है। जून 2018 में सीआरपीएफ की टुकड़ी करमडीह पहुंची थी, जबकि दूसरी टुकड़ी अगस्त में तैनात हो गई थी। 17 अगस्त को आईजी सीआरपीएफ संजय ए लाटेकर ने करमडीह का दौरा किया था। इसी क्रम में उन्होंने देखा कि गांव में अंधेरा है। उन्होंने पिकेट की लाइट से गांव के घरों को रौशन करने का निर्देश जारी किया था।

53 घरों में लग गया एलईडी बल्ब, बच्चे रात में भी पढ़ रहे हैं : सीआरपीएफ ने गांव के 53 घरों में बिजली पहुंचायी है। अब बच्चे रात में पढ़ने भी लगे हैं। 48 घंटे की मेहनत के बाद सीआरपीएफ कमांडेंट देवाशीष विश्वास और टूआईसी रवि रंजन ने पहले 10 घरों को रौशन किया।

आईजी संजय ए लाटेकर ने ग्रामीणों की समस्या सुनी

सीआरपीएफ के झारखंडसेक्टर के आईजी संजय ए लाटेकर ने सोमवार को करमडीह का दौरा किया और ग्रामीणों की समस्या को सुना। आईजी ने रौशन हुए घरों का जायजा लिया और ग्रामीणों से जानकारी ली। इस दौरान करमडीह में मेडिकल कैंप लगाया कर करीब 250 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई और बच्चों के बीच स्कूली सामग्री का वितरण किया गया। आईजी ने ग्रामीणों से कहा कि सीआरपीएफ इलाके में सुरक्षित माहौल तैयार करने के साथ-साथ ग्रामीणों की समस्या को दूर कर रहा है। इस दौरान सीआरपीएफ के डीआईजी राजीव राय, जयंत पॉल, कमांडेंट देवाशीष विश्वास, टूआईसी रवि रंजन समेत कई अधिकारी मौजूद थे।